**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 2284**

**06 दिसंबर, 2016 को उत्तर के लिए**

**सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण हेतु बजटीय आबंटन का सदुपयोग किया जाना**

**2284. श्री विवेक के. तन्खा :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

1. क्या सरकार ने विगत तीन वर्षों के दौरान सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण हेतु आबंटित बजट धनराशि का सदुपयोग किया है;
2. यदि हां, तो इस उद्देश्य हेतु आबंटित निधियों की लेखा-परीक्षा हेतु स्थापित तंत्र सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
3. विगत तीन वर्षों के दौरान हस्ताक्षरित रक्षा खरीद संबंधी समझौतों का ब्यौरा क्या है; और
4. क्या सरकार पैदल सेना की युद्धक क्षमता एवं गतिशीलता को बढ़ाने पर विचार कर रही है और प्रौद्योगिकी के उन्नयन के लिए यह क्या-क्या कदम उठा रही है ?

**उत्तर**

**रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. सुभाष भामरे)**

(क): सशस्त्र सेनाओं के लिए रक्षा उपस्करों की पूंजीगत अधिप्राप्ति हेतु बजट का उपयोग निम्नानुसार किया गया है:-

**(करोड़ रु. में)**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **वर्ष** | **आबंटित निधि** | **वास्तविक व्यय \*** |
| 2013-14 | 66,406.41 (आवर्ती व्यय) | 66,850.30 |
| 2014-15 | 66,151.73 (आवर्ती व्यय) | 65,862.38 |
| 2015-16 | 65,400.00 (आवर्ती व्यय) | 62,235.54 |

\*(संयुक्त स्टाफ सहित)

(ख): भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएंडएजी) द्वारा लेखाओं की लेखा परीक्षा की जाती है ।

(ग): गत तीन वित्तीय वर्ष के दौरान, विमानों, मानव रहित वायु वाहनों (यूएवी), मिसाइलों, हेलीकॉप्टरों, टैंकों, गन अपग्रेडों, नौसैन्य फ्रेगेट, रॉकेटों, गोलाबारूद एवं सिमुलेटर्स जैसे रक्षा उपस्करों की पूंजीगत अधिप्राप्ति के लिए भारतीय एवं विदेशी विक्रेताओं के साथ कुल 1,36,664.02 रु. मूल्य की 150 संविदाएं की गई हैं ।

(घ): इन्फेंट्री का आधुनिकीकरण और क्षमता संवर्धन, संक्रियात्मक आवश्यकताओं एवं प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों के आधार पर किया जाता है । विस्तृत विचार-विमर्शों के उपरांत तैयार योजनाओं के अनुरूप नए उपस्करों को शामिल करके और प्रौद्योगिकीय उन्नयन के जरिए इसे हासिल किया जाता है ।

\*\*\*\*\*